

19/10
22

3

अधिवक्तागण उपस्थित। बहस सुनी गई व पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रथम दृष्टया मामला सुविधा का संतुलन, शर्त एवं यैस्टल प्रार्थी के पक्ष में बनना पाया जाता है। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 RTI स्वीकार किया जाकर प्रकरण में जारी अस्थापी निवेदना दिनांक 04/03/2020 को मूलवाद के निष्पत्ति तक स्थापी किया जाता है। पत्रावली निष्पत्ति होकर नम्बर में कम होकर मूलवाद के साथ संलग्न की



अधिवक्ता (राजस्थान)
श्री कल्याण

